बैगा आदिवासियों के पारंपरिक औषधि ज्ञान का दस्तावेजी करण

Raman University
Registrar
Road, Kota, Bilaspur (C.G.)

Sanction order NIF, DST, GOI, Project

Dr. Vivek Kumar
Senior Innovation Officer

May 27, 2020

SANCTION ORDER

Sub: Financial assistance for the project entitled "Documentation of traditional knowledge and ethnomedicine uses of medicinal plants from remote villages in Bilaspur Districts in Chhattisgarh, India"

Dear Sir,

A sanction not exceeding of Rs. 1,48,100/= (INR One Lakh forty eight thousand one hundred only) is hereby accorded for the project entitled "Documentation of traditional knowledge and ethnomedicine uses of medicinal plants from remote villages in Bilaspur Districts in Chhattisgarh, India" submitted by Dr. Anupam Tiwari, Head, Department of Rural Technology, Dr. C. V. Raman University, Bilaspur, Chhattisgarh.

The duration of this project is twelve months (June 2020 to May 2021).

Budget:

SN	Head of account	Amount (Rs)
1	Preliminary field visits	12,500
2	Documentation of innovations & tk practices involving students and research staff	90,600
3	Field verification and detail documentation	15,000
4	Workshop	10,000
5	Contingency	20,000
	Total	1,48,100

Grand Total: INR One Lakh Forty Eight Thousand One Hundred only

The organization will furnish to NIF, Utilization Certificate and an audited Statement of Accounts pertaining to the grant immediately after the end of the project.

The organization will maintain separate audited accounts for the project. If it is found expedient to keep a part or whole of the grant in a bank account earning interest, then the interest earned should be returned to NIF or deposit in Bharatkosh. The receipt may be submitted to NIF.

Dr. C.V. Raman University
Registrar
Kargi Road, Kota, Bilaspur (C.G.)

बैगा आदिवासियों के पारंपरिक औषधि ज्ञान का दस्तावेजी करण

ग्रामीण प्रौद्योगिकी विभाग डॉ. सी.वी. की शैक्षणिक इकाइयों में से एक है। रमन विश्वविद्यालय, कोटा, बिलासपुर, छ.ग. यह 2018 में ग्रामीण समुदायों के सामने आने वाली चुनौतियों का समाधान करने और उनके जीवन की गुणवत्ता में सुधार करने के लिए CVRU का एक आउटरीच केंद्र बनने के उद्देश्य से अस्तित्व में आया। सीवीआरयू में ग्रामीण प्रौद्योगिकी विभाग की स्थापना बहु–विषयक गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए वर्ष 2018 में की गई थी। केंद्र शिक्षण प्रदान करेगा, अनुसंधान करेगा और ग्रामीण क्षेत्रों के विभिन्न पहलुओं में परामर्श प्रदान करेगा, ग्रामीण क्षेत्र के प्रशिक्षण और अनुसंधान आवश्यकताओं पर विशेष जोर देने और ग्रामीण समुदाय के लिए उपयुक्त प्रौद्योगिकी में अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान में योगदान देने के लिए। यह जैव ऊर्जा, बायोमास प्रौद्योगिकियों, बायोगैस प्रौद्योगिकियों, पारिस्थितिक स्वच्छता, खाद्य गुणवत्ता और सुरक्षा, टिकाऊ कृषि, टिकाऊ आवास, मूल्यवर्धित खाद्य उत्पादों, जल और अपशिष्ट प्रबंधन, औषधीय पौधों के उत्पादन सहित क्षेत्रों में प्रौद्योगिकियों के विकास और हस्तांतरण द्वारा महत्वपूर्ण योगदान देगा। और प्रसंस्करण, उद्यमिता विकास, स्थायी ग्रामीण आजीविका, आदि।

विश्वविद्यालय द्वारा 'ग्रामीण प्रौद्योगिकी' विभाग की स्थापना कर छात्रों को छत्तीसगढ़ के परम्परागत खाद्य प्रसंस्करण की तकनीक से परिचित कराया जा रहा है तथा अन्य हितग्राहियों को छात्रों के साथ पारंपरिक ज्ञान कौशल में दक्ष बनाकर अनेक जड़ी–बूटियों से स्वावलंबी बनाया जा सकता है। उत्पादों। निर्माण कार्य प्रगति पर है। विश्वविद्यालय का ग्रामीण प्रौद्योगिकी विभाग छात्रों को पारंपरिक खाद्य प्रसंस्करण प्रौद्योगिकी और छत्तीसगढ़ के कई हर्बल उत्पादों से जोड़कर उनकी शिक्षा और प्रशिक्षण कर उन्हें आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित कर रहा है। विश्वविद्यालय को भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा बैगा आदिवासियों के पारंपरिक चिकित्सा ज्ञान के दस्तावेजीकरण का कार्य भी सौंपा गया है, जो निरंतर जारी है।

Dr. C.V. Raman University
Registrar
Kargi Road, Kota, Bilaspur (C.G.)